खुला आसमान

प्रमा सुराना
कक्षा: षष्ठम, वर्ग : क

खुले आसमान में हम चैन की साँस ले सकते हैं,
जब हम खुले आसमान को देखते हैं,
हमें उसके आदि और अंत का पता नहीं चलता है,
असीम होता है खुला आसमान।
मनुष्य का मन भी खुले आसमान की तरह होना चाहिए,
जीवन में कितनी भी कठिनाइयाँ आएँ,
उन सब से मुकाबला करते हुए,
आगे बढ़ते रहना चाहिए।
जिस तरह आकाश में काले बादल आकर उसे ढँक देते हैं,
पर फिर से सूरज की रोशनी से आसमान जगमगा उठता है,
चाँद की चाँदनी से शीतल हो जाता है,
वैसे ही यदि मनुष्य पर पाबंदियाँ लगी हो,
तो उन बेड़ियों को काटकर,
मुक्त होकर खुलेआसमान की तरफ देखना चाहिए,
और उसकी तरह बंधन मुक्त जीवन जीना चाहिए।
स्वच्छ, निर्मल, नीला आसमान
हमारा प्रेरणा स्त्रोत बना रहे, यही आशा रखनी चाहिए।

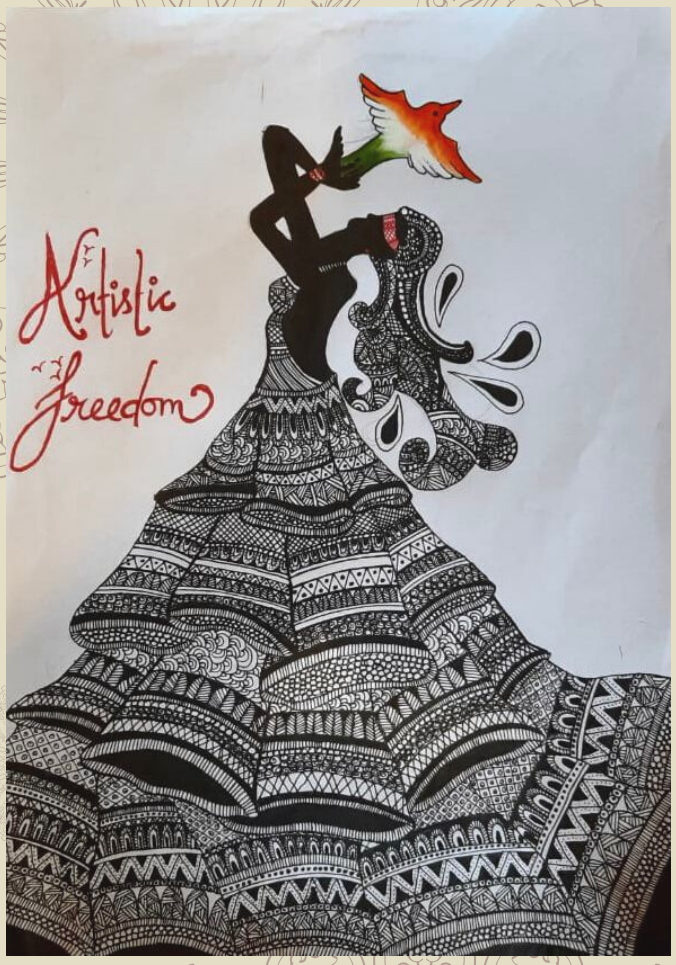

Anushka Doshi
Class 11